CLASS : 6
SUBJECT : HINDI

पाठ - 4
कवींद्र रवी

शब्द - ज्ञान
उपलब्ध - प्राप्त , ि
बढाई , अग्रज - बड़
देखना , वेशभूषा ,

मौखिक
1. रवींद्रनाथ का जन्म
उ: रवींद्रनाथ का जन्
में 7 मई , 1861 ई०
2. रवींद्रनाथ को अध्य
गया और इससे पूर्व
हुई थी ?
उ० : रवींद्रनाथ को अ
1878 ई०. में भेजा
शिक्षा घर पर प्राप्त

लिखित
1. बाल्यावस्था में ही
दिखाई देने लगे थे
उ० : आठ वर्ष की अवस
लेकिन एक शिक्षक

Scanned with CamScanner

स्कूल से असूची दो गई। यदि उन्हें कोई पाठ अच्छी तरह याद न होता तो उन्हें घंटों धूप में खड़ा रहना पड़ता था। उनकी पढ़ाई का प्रबंध घर पर ही कर दिया था। घर का वातावरण उनके बड़ा ही अनुकूल सिद्ध हुआ और नन्हीं उम्र में ही कहानियाँ और गीत लिखने लगे।

२. गाँधी जी और रवींद्रनाथ ठाकुर एक-दूसरे को क्या कहकर संबोधित करते थे?

उ०: गाँधी जी और रवींद्रनाथ ठाकुर एक दूसरे को बापू और गुरुदेव कहकर संबोधित करते थे।

३. रवींद्रनाथ ठाकुर को विश्व का सबसे बड़ा पुरस्कार कौन-सा और कब मिला?

उ०: रवींद्रनाथ ठाकुर को विश्व का सबसे बड़ा पुरस्कार 'गीतांजलि' नोबेल-पुरस्कार सन् १९१३ ई०. में मिला।

४. रवींद्रनाथ ठाकुर ने 'शांतिनिकेतन' की स्थापना कब और किन विचारों से प्रेरित होकर की?

उ०: रवींद्रनाथ ठाकुर ने 'शांतिनिकेतन' की स्थापना सन १९०१ में की। रवींद्रनाथ ठाकुर ने - प्राचीन ऋषियों से प्रेरित होकर 'शांतिनिकेतन' की स्थापना की। रवींद्रनाथ ठाकुर चाहते थे कि बच्चों की शिक्षा प्रकृति के उदार-रमणीक वातावरण में होनी चाहिए। वन हमारे सजीव निवास स्थान है और गुरु हमारे सहृदय शिक्षक।

५. कवींद्र रवींद्र रूपी प्रखर कवि कब अस्त हुआ?

उ०: कवींद्र रवींद्र रूपी प्रखर कवि का निधन ८ अगस्त १९४१ ई. को हुआ था।

Scanned with CamScanner

Pg no 3.

पाठ - 5
कहाँ चला रे

शब्द ज्ञान

सत्य - सच , पावन - पवित , खंजर - छुरा .
हिम - बर्फ , दोज़ख - नरक , स्वर्ग - देवताओं के रहने का स्थान .
मार्ग - रास्ता , चीत्कारें - चीखें ,
निज - अपना , सीना - छाती , गटर - सीवर ,
पथ - रास्ता , पालनहारा - पालन करने वाला , अंतड़ियों - आँतें ।

मौखिक

1. कविता किस विषय से संबंधित है ?
उ० : कविता आतंकवाद के विषय से संबंधित है ।
2. कविता आपको क्या शिक्षा देती है ?
उ० : कविता हमें देश के विकास से अपनी शक्ति का सदुपयोग करते हुए नवसृजन की शिक्षा देती है ।

लिखित

1. कौन, किस पथ को भुलाकर, कहाँ जा रहा है ?
उ० : नवयुवक अपना रास्ता भुलकर पथभ्रष्ट होकर आतंकवाद व तोड़-फोड़ के मार्ग पर जा रहा है ।
2. उग्र दृष्टा किसे कहते हैं ?
उ० : उग्र दृष्टा आतंकवादी को कहते है ।
3. कवयित्री का मानवता को गटर में ले जाने से क्या तात्पर्य है ?
उ० : कवयित्री का मानवता को गटर में ले जाने :

का तात्पर्य बुराई की ओर ले जाना है।

५. यह कविता हमारा कैसा मार्गदर्शन कर रही है?
उ० : यह कविता नवयुवकों को पथभ्रष्ट होकर आतंकवाद व तोड़-फोड़ के मार्ग पर भटकने से रोकते हुए तथा देश के विकास में अपनी शक्ति का सदुपयोग करते हुए नवसृजन का मार्गदर्शन कर रही है।

२. कविता की पंक्तियों को पूरा किजिए :
एक साल के बच्चे पर बंदूक चलाई,
मार्ग-भ्रष्टा बनकर अब तू,
मूल स्रोत से भटक गया रे।
निज पथ को तू आज भुला कर,
कहाँ चला रे।

३. रिक्त स्थान भरिए : (उत्तर)
क, सत्य ख, हिम ग, खंजर घ, भला

४. नीचे दी गई पंक्तियों के आधार पर दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : Pg no 36.
उत्तर क, निज पथ से हम अपना रास्ता समझते हैं।
उत्तर ख, नवयुवक 'निज पथ' को भूल चुका है।
उत्तर ग, कवयित्री इस कविता से भटके हुए नौजवान को जगाना चाहती है।

—— o ——

Scanned with CamScanner

Pg no 5.

पाठ - 6
हार की जीत

शब्द ज्ञान

अर्पण - देना, वायु वेग - ध्वनि के समान गति, कीर्ति - बड़ाई, अस्तबल - घुड़साल, बाहुबल - भुजाओं की शक्ति, प्रयोजन - उद्देश्य, प्रतीत - मालूम होना, बाँका - सुंदर, मिथ्या - झूठ

मौखिक :

1. बाबा के घोड़े का क्या नाम था ?

उ० : बाबा के घोड़े का नाम सुलतान था।

2. डाकू का क्या नाम था ?

उ० : डाकू का नाम खड़ग सिंह था।

लिखित :

1. बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर किस प्रकार का आनंद आता था ?

उ० : माँ को अपने बेटे और किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर जो आनंद आता है, वही आनंद बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर आता था।

2. तुम कैसे कह सकते हो कि बाबा भारती अपने घोड़े को बहुत प्यार करते थे ?

उ० : बाबा भारती को भगवद्भजन से जो समय बचता था, वह घोड़े को अर्पण हो जाता था। बाबा भारती उसे 'सुलतान' कहकर पुकारते थे। उसे अपने हाथ

Scanned with CamScanner

से खरहरा करते थे, खुद दाना खिलाते और देख देखकर प्रसन्न होते थे।

3) खड्गसिंह की धमकी से भयभीत होकर बाबा भारती की क्या दशा हुई ?

उ०: खड्गसिंह की धमकी से भयभीत होकर बाबा भारती को रात को नींद न आती थी। सारी रात अस्तबल की रखवाली में कटने लगी। प्रतिक्षण खड्गसिंह का भय लगा रहता।

4) बाबा भारती ने खड्गसिंह से क्या प्रार्थना की ?

उ०: बाबा भारती ने खड्गसिंह से यह प्रार्थना की कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना। लोगों को यदि इस घटना का पता लग गया तो वे किसी दीन-दुखियों पर विश्वास नही करेंगे।

5) घोड़ा प्राप्त करने के लिए खड्गसिंह ने बाबा भारती से क्या छल किया ?

उ०: घोड़ा प्राप्त करने के लिए खड्गसिंह बाबा भारती के सामने अपाहिज के रूप में आ गए। बाबा भारती उसे इस रूप में पहचान न सके।

6. बाबा भारती के व्यवहार से प्रभावित होकर खड्गसिंह ने क्या किया ?

उ०: बाबा भारती के व्यवहार से प्रभावित होकर खड्गसिंह ने सुलतान को अस्तबल में उसके स्थान पर बाँध दिया और बाहर निकलकर सावधानी से फाटक बंद कर दिया।

Scanned with CamScanner

Pg no 7.

प्र० नीचे लिखें शब्दों में उत्तरावस्था और उत्तमावस्था के रूप दीजिए :

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
1. निकट	निकटतर	निकटतम
2. कठोर	कठोरतर	कठोरतम
3. प्रिय	प्रियतर	प्रियतम
4. महान	महानतर	महानतम
5. विशाल	विशालतर	विशालतम
6. तीव्र	तीव्रतर	तीव्रतम
7. दृढ़	दृढ़तर	दृढ़तम

प्र० नीचे लिखें शब्दों के विशेषण रूप लिखिए :

1. मानव	मानवता
2. इतिहास	ऐतिहासिक
3. पिता	पैतृक
4. प्यास	प्यासा
5. उदास	उदासी
6. दुःख	दुःखी
7. मास	मासिक
8. दान	दानी
9. रोग	रोगी
10. धर्म	धार्मिक

—o—

Pg no 8.

Unit II.

(हिन्दी व्याकरण)

1. निबंध

विज्ञान वरदान या अभिशाप

2. पत्र

पुस्तके मँगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखें.

3. विलोम शब्द - (11-20)

4. पर्यायवाची शब्द : (16-30)

5. अनेकार्थक शब्द : (9-16)

6. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द : (16-30)

7. मुहावरे : (9-16)

प्र०: संज्ञा किसे कहते है ?

प्र०: लिंग किसे कहते है ?

प्र०: वचन किसे कहते है ?

Scanned with CamScanner